ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत 'आत्मनिर्भर किसान सम्मेलन' का प्रमिला लॉन में भव्य आयोजन

भविष्य रक्षा हेतु किसानों को परंपरागत एवं प्रभावी तरीकों की ओर ध्यान देना होगा

पिपलगांव-नाशिक(महा.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रमिला लॉन में आयोजित भव्य 'आत्मनिर्भर किसान सम्मेलन' में मुख्य अतिथि एवं वक्ता पाशा भाई पटेल ने कहा कि आज थर्मल पावर या कई अन्य माध्यमों से बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में छोड़ी जाती है। जो भावी पीढ़ी के लिए बहुत खतरनाक है। उन्होंने कहा कि इससे बचने के लिए बांस की खेती बहुत उपयोगी है। भविष्य में बांस की खेती एक बहुत ही सरल लागत प्रभावी और सहज उत्पाद है। किसानों को इस ओर अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

ब्रह्माकुमारीज़ कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू भाई ने कहा कि आज किसान व्यसनों, विकारों, पुरानी कुरीतियों तथा रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अधीन बनता जा रहा है। इससे समाज में स्वार्थ वृत्ति और बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में शाश्वत यौगिक खेती एक सुंदर पर्याय बनकर सामने आया है। इचलकरंजी के एक प्रयोगशील किसान ब्र.कु. बालासाहेब रूगे ने कहा कि विचारों में अलौकिक शक्ति होती है। इन विचारों के प्रकम्पन से हम अपनी ज़मीन, बीज और फसलों को आध्यात्मिक स्पंदन देते हैं तो बेहतर पैदावार हो सकती है। कृषि अधिकारी धनंजय वार्डेकर ने बताया कि रिफाइंड तेल सेहत के लिए बहुत खतरनाक होता है। इसमें हेक्सिन नाम का पेट्रोकेमिकल होता है जिससे शरीर में कई तरह की बीमारियां हो जाती हैं और ये कैंसर का कारण भी बन सकता है। इसलिए लकड़ी की चक्की से पारंपरिक रीति से निकाला गया तेल आपके शरीर के लिए बहुत उपयोगी है। सह्याद्री फार्म के विलास शिंदे ने कहा कि रसायन मुक्त कृषि समय की ज़रूरत है और हमें इस दिशा में कदम उठाने की ज़रूरत है। पुणे उपक्षेत्रीय निर्देशिका ब्र.कु. सुनंदा दीदी ने उपस्थित सभी किसानों को राजयोग ध्यान के माध्यम से आंतरिक जगत की यात्रा कराई। तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए राजयोग के महत्व को समझाते हुए नासिक उपक्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. वासंती दीदी ने सभी से अपील की कि वे पास के ब्रह्माकुमारी आश्रम में राजयोग का यह निःशुल्क कोर्स करें। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. पुष्पा दीदी और ब्र.कु. पूनम दीदी ने सूत्रबद्ध तरीके से किया। कोपरगांव की ब्र.कु. सरला दीदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर पिपलगांव की सरपंच अलकाताई बनकर भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में संत सावता माली पतसंस्था के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश खोडे, अखिल भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष रमेश खोडे, शिवरूद्र फार्म के संदीप उफाडे, गेन कंपनी के नोडल ऑफिसर संतोष वाघमारे, स्मिथ हर्ष एकेडमी के राजेश बेदमुथा, मांजरगाव सोसायटी अध्यक्ष भास्करराव रोनवणे, सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष सोनवणे, मविप्र संस्था के पूर्व संचालक दिलीप मोरे, सरपंच परिषद के राज्य समन्वयक प्रकाश महाले, पिपलगांव बहुला पतसंस्था की संचालिका भागीरथी नागरे, प्रयोगशील शेतकरी ब्र.कु. रामनाथ भाई आदि को ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से सम्मानित किया गया।

इस मौके पर प्रभात फेरी का भी आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन पिपलगांव की सरपंच अलकाताई बनकर ने किया।

'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' चार दिवसीय मेडिटेशन शिविर का शुभारंभ

स्वर्णिम धरा को साकार करने हेतु मानव का आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही सर्वोत्तम उपाय

ग्वालियर-माधौगंज(म.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' चार दिवसीय राजयोग मेडिटेशन शिविर का शुभारंभ ब्रह्माकुमारीज़ के 'प्रभु उपहार भवन' सेवाकेंद्र पर किया गया।

इस अवसर पर संत श्री कृपाल सिंह जी महाराज,अध्यात्म निकेतन ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण के बिना स्वर्ग या राम राज्य केवल कल्पना ही है। उसे कहा कि स्वर्णिम युग एक ऐसा समय था जबकि विश्व में सम्पूर्ण सुख-शांति का साम्राज्य था। अब ऐसे स्वर्णिम समय को फिर से धरा पर साकार करने के लिए मानव का आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही सबसे उत्तम उपाय है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा व्यर्थ विचारों व मनोविकारों को नियंत्रित कर व आध्यात्मिक ज्ञान का चिंतन, मनन करने से मन व बुद्धि का दिव्यीकरण होता है।

ब्र.कु. आदर्श बहन,संचालिका, लश्कर ग्वालियर ने कहा कि आज वास्तविकता में परिणित नहीं किया जा सकता। आध्यात्मिकता द्वारा ही मानव जीवन में मूल्यों का पुनर्वास होगा। जिससे ही यह समाज सुखमय बन सकेगा।

शिविर का उद्देश्य बताते हुए डॉ. ब्र.कु. गुरचरण भाई,राजयोग प्रशिक्षक ने कहा कि वर्तमान समय मानव जीवन एक कठिन दौर से गुज़र रहा है। इस प्रकार के वातावरण में सभी स्थाई सुख-शांति की तलाश कर रहे हैं। लेकिन जब तक मानव जीवन में शुभ भावना का अभाव है तब तक न सुख-शांति मिल सकती और न कर्मों में दिव्यता आ सकती है। ब्र.कु. गीता बहन,संचालिका,भीनमाल,राज. ने मानव समाज को आध्यात्मिक सशक्तिकरण की आवश्यकता है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण का अर्थ है अपने अन्दर के विकारों का उन्मूलन करना और आत्मा को अपने आदि-अनादि गुणों व शक्तियों में वापस ले जाना। श्रीमती समीक्षा गुप्ता,पूर्व महापौर ने कहा कि मुझे अपार प्रसन्नता है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से आध्यात्मिक शक्तियों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। जिससे व्यक्तित्व में दिव्यता आयेगी।

राजीव गुप्ता ने श्रेष्ठ समाज के निर्माण में संस्थान के प्रयासों की सराहना की। ब्र.कु. प्रहलाद ने सभी मेहमानों का धन्यवाद किया।

आध्यात्मिक मूल्यों से मज़बूत होती है जीवन की नींव

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए त्रिदिवसीय 'समर कैम्प'

छतरपुर-विश्वनाथ कॉलोनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए और उनमें नैतिक मूल्यों की समझ पैदा करने के लिए त्रिदिवसीय 'समर कैम्प' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रमा बहन ने सभी बच्चों सहित प्रशिक्षण देने वाले सभी प्रशिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस आध्यात्मिक वातावरण में सभी बच्चे स्थूल चीज़ें बनाना तो सीखेंगे ही, साथ-साथ ऐसे रिश्ते जिनमें प्यार हो, एक दूसरे की परवाह हो, एक दूजे के लिए सम्मान हो और साथ में व्यावहारिक ज्ञान हो, अनुशासन हो, ये सब भी स्वयं में धारण करेंगे। और यही हमारे खुशहाल जीवन की नींव है। यदि नींव मज़बूत होगी तो जीवन में आने वाली सभी कठिनाइयों का हम मज़बूती से सामना कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों के आध्यात्मिक विकास, नैतिक मूल्यों के विकास और जीवन के हर क्षेत्र में सफल बनाने वाले ईश्वर का साथ दिलाने के लिए इस समर कैम्प का आयोजन हुआ है। कार्यक्रम में क्रिश्चियन स्कूल की शिक्षिका अविधा अग्रवाल, मरियम माता स्कूल के शिक्षक सुरेंद्र सिंह, ब्र.कु. रीना, ब्र.कु. कमला व ब्र.कु. कल्पना के मार्गदर्शन में बच्चों ने

भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व को समझा और खेल-खेल में नैतिक शिक्षा को ग्रहण किया। कैम्प में बच्चों ने कई प्रकार की एक्टिविटीज़, गीत, डांस, ड्रॉइन्ग, शारीरिक एक्सरसाइज़ के साथ राजयोग मेडिटेशन भी सीखा। कैम्प में 80 बच्चों ने भाग लिया एवं इसका भरपूर आनंद लिया। इस दौरान प्रोफेसर डॉ. एम.एल. प्रजापति, एयरपोर्ट ए.जी.एम. सौरभ यादव, सोनल यादव एवं सिविल लाइन सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. माधुरी बहन उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का पूरा मैनेजमेंट ब्र.कु. रमा बहन और ब्र.कु. भारती ने सम्भाला।

लोकतंत्र का सामान्य लोगों तक पहुंचना बेहद ज़रूरी

'समाधान परक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर' विषय पर सम्मेलन का भाग्य विधाता भवन में भव्य आयोजन

बैतूल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा भाग्य विधाता भवन में 'समाधान परक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर' विषय पर आयोजित सम्मेलन में जन संचार संस्थान नई दिल्ली के निदेशक संजय द्विवेदी ने कहा कि आज लोकतंत्र का सामान्य लोगों तक पहुंचना बेहद ज़रूरी है। तभी लोकतंत्र की सार्थकता सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि हमारी पत्रकारिता से यदि समाज का भला होता है तो यही हमारी पत्रकारिता और समृद्ध भारत का समाधान है। हमें समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए गम्भीरता और ईमानदारी से काम करने की ज़रूरत है। लेकिन इसके लिए पूरे समाज को एकजुट होना ज़रूरी है।

ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू के जन सम्पर्क अधिकारी ब्र.कु. कोमल भाई ने कहा कि समृद्ध भारत का निर्माण करना असम्भव नहीं है। एक

छोटी सी शुरुआत कल की बड़ी शुरुआत हो सकती है। हमारा यह तटस्थ प्रयास देश के कोने-कोने में पहुंच सकता है। ब्र.कु. रावेंद्र भाई ने कहा कि आज मीडियाकर्मी अपने काम को लेकर इतने ज़्यादा व्यस्त रहते हैं कि न ही वे अपने शरीर और स्वास्थ्य पर ध्यान दे पाते हैं और न ही अपने परिवार की तरफ। ऐसे में समाधान परक पत्रकारिता की उम्मीद कैसे की जा सकती है! इसके साथ ही आज मीडिया के सही मायने पर चिंतन-मनन की आवश्यकता है। भोपाल मीडिया विंग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. डॉ. रीना बहन ने सशक्त पत्रकारिता, सकारात्मक पत्रकारिता, समाधानकारक पत्रकारिता और सार्थक पत्रकारिता के बारे में बताते हुए कहा कि यदि इन चार पहलुओं को ध्यान में रखकर पत्रकारिता की जाए तो समृद्ध भारत का निर्माण किया जा सकता है।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल ने कहा कि समाधान पत्रकारिता के ज़रिये यदि हम समृद्ध भारत बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आंदोलन की तरह प्रयास किये जाने की ज़रूरत है। इस मौके पर कर सलाहकार एवं लेखक राजीव खंडेलवाल ने भी अपने बहुमूल्य विचार रखे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd June, 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org